

राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 2 अगस्त, 1995

क्रमांक 1817-ज-2-95/11519—थी राम प्रशाद, पुन्न थी कुरड़ा राम, निवासी गांव अहरोद, (ग्राम बलवाड़ी), तहसील रेवाड़ी जिला रेवाड़ी, को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 की घारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन सरकार की अधिसूचना क्रमांक 6-ज-II-71/23829, दिनांक 19 अगस्त, 1971 द्वारा 100 रुपये वार्षिक और बाद में अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 अक्टूबर, 1970 द्वारा 150 रुपये वार्षिक और उसके बाद अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-I-44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. अब थी राम प्रशाद की दिनांक 25 जून, 1993 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राजपाल अपरोक्ष अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें भाज तक संशोधन किया गया है) की घारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग तर्जे हुए इस जागीर को थी राम प्रशाद की विवाद भोगती भनकोरी देवी दे नाम खड़ी, 1994 से 1,000 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

दिनांक 9 अगस्त, 1995

क्रमांक 1877-ज-2-95/11959.—थी जाहर सिंह, पुत्र थी डेराज, निवासी गांव मनेटी, तहसील रेवाड़ी, जिला महेन्द्रगढ़ (ग्राम रेवाड़ी) को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 की घारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन सरकार की अधिसूचना क्रमांक 929-ज-I-74/15965, दिनांक 6 जून, 1974 द्वारा 150 रुपये वार्षिक और उसके बाद अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. अब थी जाहर सिंह की दिनांक 4 अक्टूबर, 1994 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राजपाल अपरोक्ष अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें भाज तक संशोधन किया गया है) की घारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को थी जाहर सिंह की विवाद भोगती भनभावती के नाम खरीफ, 1995 से 1,000 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

जी० डी० संती,

ग्रन्त सचिव, हरियाणा सरकार,
राजस्व विभाग।

LATE NOTIFICATION